20

हिंदुस्तान

4. दिए गए शब्दों से वाक्य बनाओ-

गाँव - गाँव का जीवन सरल और सादा होता है।

आजीवन - किसान आजीवन कष्ट में रहता है।

ग्रामीण - ग्रामीण संस्कृति ही भारत की असली संस्कृति है।

ज्ञान - ज्ञान के बिना जीवन अधूरा है।

विपदा - विपदा आने पर ही मित्र-शत्रु की पहचान होती है।

भाषा कौशल

1. जहाँ एक वर्ण की आवृत्ति एक से अधिक बार होती है, वहाँ अनुप्रास अलंकार होता है।

जैसे- पुरई, पालों, रहिमा-रमुआ आदि।

पाठ में आए ऐसे अन्य उदाहरण ढूँढ़कर लिखो-

एक-नेक रहना-कहना

सहना-रहना नर-नारायण

2. इन शब्दों के दो-दो अर्थ लिखो-

मन	दिल	मद	घमंड
	तौल		खाता
जग	संसार	जीवन	जल
	पानी रखने का जग		जीवित रहना

3. शब्द के शुद्ध रूप पर (✓) का निशान लगाओ-

(क)	हिंदुस्तान	☑	हिंदूस्तान	☐	हिंदुस्थान	☐
(ख)	भ्रम	☐	श्रम	☑	स्रम	☐
(ग)	रामायन	☐	रमायण	☐	रामायण	☑
(घ)	पोषणकर्ता	☑	पोशणकर्ता	☐	पोषड़कर्ता	☐
(ङ)	सवतंत्रता	☐	स्वतंत्रता	☑	श्वतंत्रता	☐

करो और सीखो-

1. "कवि के अनुसार असली हिंदुस्तान गाँवों में बसता है।" कवि ने हिंदुस्तान का जो वर्णन किया है, उसे संक्षेप में अपने शब्दों में लिखो।

उ० "कवि के अनुसार असली हिंदुस्तान गाँवों में बसता है।" इसलिए माना है क्योंकि भारत कृषि प्रधान देश है। यहाँ की अधिसंख्य आबादी गाँवों में ही बसती है इसलिए गाँवों में टूटे-फूटे घर हैं। किसान हल चलाकर अन्न पैदा करते हैं, खपरैलों के भी कुछ घर मिल जाएँगे। नदी, लोग नावों से पार करते हैं, गाँव में लोग पूरे जीवन परिश्रम करते हैं और कभी कुछ नहीं कहते हैं; विपत्तियाँ आती हैं, उन्हें चुपचाप सहन कर लेते हैं; उनकी आहों और आसूँओं पर कोई भी लिखता नहीं है, उनके पुस्तकालय चार-पाँच तुलसीकृत रामायण के होते हैं। वे लोग समय मिलने पर कभी-कभी रामायण सुनकर राम का नाम ले लेते हैं। उनका जीवन बहुत ही कष्टमय है। एक वक्त का भोजन ही जुटा पाते हैं, पहनने के लिए उनके पास केवल फटी लँगोटी ही रहती है। लेकिन असली भगवान गाँवों के लोग ही हैं क्योंकि वे ही अन्न पैदा करके विश्व का भरण-पोषण करते हैं।